सुरेन्द्र वर्मा के उपन्यास : उत्तर औपनिवेशिक संदर्भ में

SURENDRA VERMA KE UPANYAS : UTTAR AUPANIVESHIK SANDARBH MEIN

THESIS SUBMITTED TO THE
MAHATMA GANDHI UNIVERSITY, KOTTAYAM
FOR THE AWARD OF

DOCTOR OF PHILOSOPHY

Research Scholar:

MARRIETTE A. THERATTIL
P.G & RESEARCH
DEPARTMENT OF HINDI
ST. THOMAS COLLEGE, PALA

Supervised by:

DR. C.K. JAMES
ASSOCIATE PROFESSOR
P.G & RESEARCH DEPARTMENT OF HINDI
ST. THOMAS COLLEGE, PALA

RESEARCH CENTRE
P.G & RESEARCH DEPARTMENT OF HINDI
ST. THOMAS COLLEGE, PALA
2011

CERTIFICATE

This is to certify that this thesis entitled **'SURENDRA VERMA KE UPANYAS: UTTAR AUPANIVESHIK SANDARBH MEIN'** is a bonafide record of work done by **Marriette A. Therattil,** under my supervision for the award of the Degree of ***DOCTOR OF PHILOSOPHY*** of the Mahatma Gandhi University, Kottayam and no part of this has, hitherto been submitted for a degree in any other university.

Dr. C.K. James
Supervising Teacher

P.G & Research Dept. of Hindi
St. Thomas College, Pala

Place : Pala
Date :

DECLARATION

I hereby declare that this thesis entitled **'SURENDRA VERMA KE UPANYAS: UTTAR AUPANIVESHIK SANDARBH MEIN'** is a bonafide record of work carried out by me for the award of the Degree of ***DOCTOR OF PHILOSOPHY*** of the Mahatma Gandhi University, Kottayam and no part of this has, hitherto been submitted for a degree in any other university.

Marriette A. Therattil

P.G & Research Dept. of Hindi
St. Thomas College, Pala

Place : Pala

Date :

अनुक्रमणिका

पृष्ठ संख्या

प्राक्कथन

प्रथम अध्यायः उत्तर औपनिवेशिकताः अभिलक्षण और आयाम 1-40

1.1. उपनिवेशवाद - उत्तर औपनिवेशिकता - नव उपनिवेशवाद

1.2. उत्तर आधुनिकतावाद

1.3. उत्तर संरचनावाद

1.4. उत्तर औपनिवेशकता

1.4.1. उत्तर औपनिवेशकताः लक्षण और प्रवृत्तियाँ

1.4.2. उत्तर उपनिवेशवाद और भाषिक चिंतन

1.4.3. उत्तर औपनिवेशिक संदर्भ में कला और साहित्य

1.4.4. उत्तर औपनिवेशिक साहित्यिक प्रवृत्तियाँ

1.4.4.1. नारी-मुक्ति

1.4.4.2. वैश्वीकरण

1.4.4.3. बाज़ारवाद

1.4.4.4. विज्ञापन

1.4.4.5. पॉपुलर कल्चर

1.4.4.6. वृद्धपूँजीवाद

1.4.4.7. बहुराष्ट्रीय निगम

1.4.4.8. अतियथार्थवाद

1.4.5. उत्तर औपनिवेशिक संदर्भ में हिन्दी साहित्य

1.5. सुरेन्द्र वर्मा का रचनात्मक व्यक्तित्व

1.5.1. नाटकार

1.5.2. व्यंग्यकार

1.5.3. समीक्षक

1.5.4. एकांकीकार

1.5.5. कहानीकार

1.5.6. उपन्यासकार
1.5.6.1. अंधेरे से परे
1.5.6.2. दो मुर्दों के लिए गुलदस्ता
1.5.6.3. मुझे चाँद चाहिए

द्वितीय अध्यायः औपनिवेशिक सौंदर्यबोध 41-68

2.1. सामंतवादी सौंदर्यचेतना
2.2. औद्योगिक सौंदर्यचेतना
2.2.1. कला का मशीनीकरण
2.2.2. कला और प्रशिक्षण

तृतीय अध्यायः नारी विमर्श के बदलते स्वरूप 69-102

3.1. उपनिवेशवादी नारी विमर्श
3.2. उत्तर उपनिवेशवादी नारी विमर्श
3.2.1. गैर-उपनिवेशवाद
3.2.2. वृद्धपूँजीवाद और नारी विमर्श
3.2.2.1. नारी की सामाजिक अस्मिता
3.2.2.2. कला-क्षेत्र में नारी की अस्मिता

चतुर्थ अध्यायः उत्तर उपनिवेशवादी सौंदर्यबोध 103-142

4.1. भूमंडलीकरण और उत्तर औपनिवेशिकता
4.2. सूचना-प्रौद्योगिकी और भूमंडलीकरण
4.3. सूचना-प्रौद्योगिकी - विभिन्न आयाम
4.3.1. इलक्ट्रॉनिक मीडिया
4.3.2. संकरण
4.4. बाज़ार-तंत्र और भूमंडलीकरण
4.5. उत्तर औपनिवेशिक प्रवृत्तियाँ
4.5.1. पॉपुलर कल्चर
4.5.1.1. फिल्म उद्योग
4.5.1.2. डिज़ाइनर-नुमाइश
4.5.2. बाज़ारवाद

4.5.2.1. सेलिब्रिटीज़
4.5.2.2. पुरस्कार-फिल्म समाहोर
4.5.2.3. धारावाहिक
4.5.3. विज्ञापन
4.5.4. अतियथार्थवाद
4.5.4.1. मॉडल-फैशन
4.5.4.2. ब्रांड अंबासडर
4.5.5. वृद्धपूँजीवाद
4.5.6. बहुराष्ट्रीय निगम

पंचम अध्यायः उत्तर औपनिवेशिक भाषा 143-181

5.1. 'मुझे चाँद चाहिए' में उत्तर औपनिवेशिक भाषिक तत्व
5.1.1. भेदन सिद्धांत
5.1.2. पात्र-योजना में विकल्प
5.1.2.1. पात्रों की प्रस्तुति के संदर्भ में
5.1.2.2. पात्रों का विस्तार
5.1.3. भाषिक चिह्न
5.1.3.1. चाँद
5.1.3.2. जलती ज़मीन
5.1.3.3. सिलबिल
5.1.4. अन्तर्पाठीयता
5.1.5. पैरोडी और पेश्टीच
5.1.5.1. पैरोडी
5.1.5.2. पेश्टीच
5.1.6. भाषिक संरचना
5.1.6.1. शब्द संयोजन
5.1.6.2. व्याकरणिक अन्विति

उपसंहार

संदर्भ ग्रंथ सूची

प्रथम अध्याय

उत्तर औपनिवेशिकता: अभिलक्षण और आयाम

द्वितीय अध्याय

औपनिवेशिक सौंदर्यबोध

तृतीय अध्याय

नारी विमर्श के बदलते स्वरूप

चतुर्थ अध्याय

उत्तर उपनिवेशवादी सौंदर्यबोध

पंचम अध्याय

उत्तर औपनिवेशिक भाषा

उपसंहार

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची